



॥ श्री भहावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाणारस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD

Website : jainshikshan.orgE-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ ओगस्ट २०१९ – प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

श्रेणी – ३

प्र. १ सामायिक – प्रतिक्रमण ना आधारे जवाब लखो. (५५)

क) पाठ पूर्ति करो. (कोइपण बार) (२५)

१. सीयल धम्म
२. बारमुं अतिथि सविभाग ब्रत असणं
३. राग पर-परिवाद
४. जं संभरामि देवसियस्स
५. मायाओ आसायणाओ
६. सम्माणेमि पञ्जुवासामि
७. जंपिय मणुन्नं
८. वावन्न सम्मतस्स
९. गोयस्वरियाओ बलि पाहुडियाओ
१०. सुककेसुवा सब्बेसु चेव असुइड्डाणे सुवा
११. अकप्पो अणिच्छियव्यो
१२. खेत – वत्थु नु यथा परिमाण ओ यथा परिमाण कीधुं छे.
१३. अद्वावीसा ओ आयारप्य कप्पेहिं तेत्तीसा ओ आसायणाहिं.

ख) नीचेना शब्दो ना गुजराती अर्थ लखो. (१२)

१. बहु सुभेणं
२. कुविय घमाणाइककमे
३. इहलोगा संसप्पओगे
४. समाहिवर मुत्तमं दितुं
५. बंधे
६. काय दुष्पणिहाणे
७. तेनाहडे
८. अणुपालियं
९. निलंछण कम्मे
१०. अप्पमज्जिय – दुष्पमज्जिय
११. उच्चार पासवण भूमि
१२. जोगहिणं
१३. सुओ

ग) मागधी शब्द लखो.

(१२)

१. रागद्वेषने लई ने (सात) जितनारा अेवा
२. जे स्त्रीनी साथे सगाई थई छे, लग्न थया नथी तेनी साथे गमन कर्यु होय
३. कहया छे
४. मर्यादा नी बहारथी वस्तु मंगावी होय
५. श्रावक ने नहि करवा योग्य थाय
६. तुच्छ आहात वो उपयोग कर्यो होय
७. पोते सुझतो होवा छतां बीजा ने वहीराववा नुं कहयुं होय
८. मिथ्यात्वी ना मतनी इच्छा करवी
९. वचन प्यारा मौन रहीने
१०. हिंसाकारी जूनां हथियार ने साचवी नवा कर्या होय तेमज नवा वसाव्यां होय.

घ) नीचेना प्रश्नो नां जवाब लखो.

(७)

१. इच्छामि रवमासणो पाठमां आवर्तन केटला छे ?
२. इच्छामि रवमासमणो पाठ थी कराती वंदना ने शा माटे उत्कृष्ट वंदना कहे छे ?
३. चरित्ताचरित्ते नो अर्थ शुं छे ?
४. इच्छामिणं भंते पाठ मां शेनी आज्ञा लेवामां आवे छे ?
५. प्रतिक्रमण शेनुं करवामां आवे छे ?
६. अकल्पनीय अने अकरणीय मां शो फरक छे ?
७. सब्बधमाइककमणाओ नो अर्थ शुं छे ?

प्र. २ क) नीचेना प्रश्नो नां जवाब आपो. (कोइपण आठ)

(२५)

(१६)

१. इन्द्रिय केटली होय छे ? त्रसकाय ने केटली इन्द्रिय होई शके ? त्रसकाय नी दया पाळवानां बे मुद्दा लखो.
२. वनस्पतिकाय नुं कुळ अने संस्थान लखो. प्रत्येक वनस्पति नां वृक्ष केटला बोले करी शोभे छे ?
३. नरक केटली होय छे ? तेना कुल केटला भेद छे. भे नरक ना नाम अने गीत्र जणावो.
४. तळाव नां पाणीनुं जघन्य अने उत्कृष्ट आयुष्य लखो. थेनुं संस्थान अने वर्ण केवो होय छे ?
५. देवता ना मुख्य भेद केटला छे ? कुल देवो केटला छे ? बधा देवोनी संख्या जणावो.
६. संमूर्च्छिम तिर्यच ने केटली इन्द्रिय होय छे तेना कुल केटला छे ? तेमनी जघन्य अने उत्कृष्ट स्थिति जणावो.
७. अंजना कोण छे ? तेने केटली इन्द्रिय होय छे. तेनुं जघन्य अने उत्कृष्ट आयुष्य (स्थिति) लखो.
८. काय केटली छे ? तेना गोत्र लखो.
९. उरपरिसर्प अने भूजपरिसर्प मां शुं तफावत छे ? बने ना बे-बे उदाहरण आपो.
१०. कंदमूल ना त्यागथी क्या क्या गुणो बधे छे ?

ख) खाली जग्या पूरो. (६)

१. वैशाख सुद त्रीज नां दिवसे पर्व होय छे.
२. मारा बांधेला कर्मा माटे अेकला ओज अने रुपे भोगववा पडे छे.
३. पाप नो समय चालतो होय त्यारे महेनत करवा छतां तमने मनगमती,,
....., मळता नथी.

ग) जोडका जोडी. (३)

१. अेकेन्द्रिय	मामणमुँडा
२. बेइंन्द्रिय	मगरमच्छ
३. तेइंन्द्रिय	खडमांकडी
४. चौरेन्द्रिय	सिंघाणेसुवा
५. संमूर्च्छिम मनुष्य	बिलाडी नो टोप
६. संमूर्च्छिम तिर्यच	इतरडी

प्र. ३ नीचेना प्रश्नो तथा खाली जग्या नां जवाब लखो. (कथा ना आधारे) (१०)

१. राजेमति अने रहनेमि – आपणुं बंने तुं अने खूष उंचु छे. (१)
२. राजेमति अटले स्त्रीओना,,, (२)
३. सोमा तु अने खूब ज सुंदर हतु. (१)
४. मारी (सोमिला ब्राह्मण नी) दीकरी सोमा जे छे. (१)
५. अे आत्मा नो गुण छे. अने करवो ते विभाग छे. (१)
६. आंनंद श्रावके वर्ष सुधी श्रावक्लधर्म नी आराधना करी, एक महिना नो संथारो करी मृत्यु पामी देव तरीले जन्म लीधो. (१)
७. आनंद श्रावक नी पत्ती तुं नाम शिवानंदा हतुं जे अने हती. (१)
८. गणधर गौतमस्वामी आनंदश्रावक नी वात सांभळी ने भगवान महावीर स्वामी पासे ने शुं कर्यु ? (२)

प्र. ४ कावर्य पूर्ति करो. (१०)

१. शुं बाळको खोटुं नथी.
२. में परभवे हारी गया.
३. में मुख ने चुकयो घणुं.
४. मैत्रीभाव तुं अर्ध्य रहे.
५. दान – शियळ तीर्थकर गोत्र.

॥ जय-जिनेन्द्र ॥